18वाँ भारत-आसियान शिखर सम्मेलन

प्रिलिम्स के लिये:

भारत-आसियान शिखर सम्मेलन, एक्ट ईस्ट नीति, 'पूर्व की ओर देखो' नीति

मेन्स के लिये:

भारत-आसियान मैत्री वर्ष का महत्त्व एवं संभावनाएँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत ने आसियान के वर्तमान **अध्यक्ष ब्रुनेई के आमंत्रण** पर **18वें** भारत-आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

- सभी राजनेताओं ने **वर्ष 2022** को '**भारत-आसियान मैत्री वर्ष**' के रूप में घोषित किया।
- आसियान-भारत शिखर सम्मेलन **प्रतिवर्ष आयोजित** किया जाता है और यह भारत व आसियान को **उच्चतम स्तर पर जुड़ने का अवसर प्रदान** करता है।

प्रमुख बिंदु

- **एक्ट ईस्ट पॉलिसी में आसियान:**

  भारत की एक्ट ईस्ट नीति एवं व्यापक इंडो-पैसिफिक विज़न के लिये भारत के दृष्टिकोण में आसियान की केंद्रीयता को रेखांकित किया गया।

- '**हिंद-प्रशांत के लिये आसियान आउटलुक**' और **भारत की हिंद-प्रशांत महासागर पहल (Indo-Pacific Oceans Initiative:IPOI)** के बीच सामंजस्य पर पूर्ण भरोसा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और आसियान के राजनेताओं ने इस क्षेत्र में शांति, स्थिरता एवं समृद्धि के लिये सहयोग पर '**भारत-आसियान संयुक्त वक्तव्य**' के अनुमोदन का स्वागत किया।
  - हाल ही में भारत ने 16वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन को भी संबोधित किया, जहाँ उसने **एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में आसियान केंद्रीयता आधारित भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' का स्वागत किया गया।**
- **भारत-आसियान कनेक्टिविटी:**
  - आसियान देशों और भारत के बीच अधिक-से-अधिक लोगों तक भौतिक एवं डिजिटल कनेक्टिविटी के महत्त्व को भी रेखांकित किया गया।
  - भारत ने **भारत-आसियान सांस्कृतिक संपर्क** को और मज़बूत करने के लिये आसियान सांस्कृतिक विरासत सूची की स्थापना हेतु अपने **समर्थन** की घोषणा की।
- **व्यापार और निवेश:**
  - कोविड के बाद आर्थिक सुधार के लिये आपूर्ति शृंखला के विविधीकरण और लचीलेपन के महत्त्व के संबंध में भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते **(FTA)** को संशोधित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है।
- **नियम-आधारित आदेश:**
  - दक्षिण चीन सागर और आतंकवाद सहित साझा हित और गंभीर चिंता वाले क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे।
  - अंतर्राष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि **(UNCLOS)** के प्रावधानों को बनाए रखने सहित इस क्षेत्र में **नियम-आधारित आदेश** को बढ़ावा देना महत्त्वपूर्ण है।
- **कोविड-19:**
  - इस क्षेत्र में महामारी के खिलाफ लड़ाई में **भारत के अथक प्रयासों** पर प्रकाश डाला गया और साथ ही इस दिशा में आसियान की पहलों को आवश्यक समर्थन प्रदान करने की बात कही।
    - भारत ने म्याँमार के लिये **आसियान की मानवीय पहल** हेतु 200,000 अमेरिकी डॉलर और **आसियान के कोविड-19 रिस्पांस फंड** हेतु 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य की चिकित्सा सामग्री का योगदान दिया है।

भारत-आसियान और चीन:

- परंपरागत रूप से **भारत-आसियान संबंधों** का आधार साझा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़ों के कारण व्यापार एवं व्यक्तियों के बीच संबंध रहा है, अभिसरण का एक और हालिया व ज़रूरी क्षेत्र चीन के बढ़ते प्रभुत्त्व को संतुलित करना है।
  - भारत और आसियान दोनों का **लक्ष्य चीन की आक्रामक नीतियों के विपरीत क्षेत्र में शांतिपूर्ण विकास के लिये एक नियम-आधारित सुरक्षा ढाँचा** स्थापित करना है।
- भारत की तरह वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया और ब्रुनेई जैसे **कई आसियान सदस्यों** का चीन के साथ क्षेत्रीय विवाद है, जो कि चीन के साथ संबंधों का एक महत्त्वपूर्ण घटक है।
  - भारत ने वर्ष 2014 में अपने पिछले दृष्टिकोण की तुलना में अधिक रणनीतिक दृष्टिकोण के साथ न केवल **दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ बल्कि प्रशांत क्षेत्र में भी जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित** करते हुए **'पूर्व की ओर देखो' नीति को एक्ट ईस्ट** में फिर से जीवंत कर दिया।

दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संगठन (आसियान)

- **परिचय:**
  - यह एक **क्षेत्रीय समूह** है जो आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देता है।
  - इसकी **स्थापना अगस्त 1967 में बैंकॉक, थाईलैंड में** आसियान के संस्थापकों, अर्थात् इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर व थाईलैंड द्वारा **आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा)** पर हस्ताक्षर के साथ की गई।
  - इसके सदस्य राज्यों के अंग्रेज़ी नामों के **वर्णानुक्रम के आधार पर इसकी अध्यक्षता वार्षिक रूप से** प्रदान की जाती है।
  - आसियान देशों की कुल आबादी 650 मिलियन है और संयुक्त **सकल घरेलू उत्पाद** (जीडीपी) 2.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। यह लगभग 86.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के व्यापार के साथ **भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार** है।
- **सदस्य:**
  - आसियान दस दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों- ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्याँमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम का एक संगठन है।

//

हिंद-प्रशांत के लिये आसियान का दृष्टिकोण:

- यह इस **क्षेत्र में सहयोग हेतु मार्गदर्शन करने एवं आसियान की सामुदायिक निर्माण प्रक्रिया को बढ़ाने** तथा आसियान के नेतृत्व वाले पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन जैसे मौजूदा तंत्र को और अधिक मज़बूत करने हेतु एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है।
- इसका मुख्य उद्देश्य **क्षेत्र में शांति, स्थिरता एवं समृद्धि के लिये एक सक्षम वातावरण को बढ़ावा** देने में मदद करना, **सामान्य चुनौतियों का समाधान** करना, **नियम-आधारित क्षेत्रीय संरचना को बनाए रखना** व **घनिष्ठ आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना** तथा इस प्रकार आपसी विश्वास को और अधिक मज़बूती प्रदान करना है।

भारत की हिंद-प्रशांत महासागर पहल (IPOI)

- यह देशों के लिये एक **खुली, गैर-संधि आधारित पहल है जो इस क्षेत्र में आम चुनौतियों के सहकारी व सहयोगी समाधान के लिये मिलकर काम करती है**।
- IPOI निम्नलिखित **सात स्तंभों** पर ध्यान केंद्रित करने हेतु मौजूदा क्षेत्रीय संरचना और तंत्र पर आधारित है:
    - समुद्री सुरक्षा
    - समुद्री पारिस्थितिकी
    - समुद्री संसाधन
    - क्षमता निर्माण और संसाधन साझाकरण
    - आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन
    - विज्ञान, प्रौद्योगिकी और शैक्षणिक सहयोग
    - व्यापार संपर्क और समुद्री परिवहन

स्रोत: पीआईबी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/18th-india-asean-summit